



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

पृ. 162]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 28, 1992/भाद्र 6, 1914

No. 162]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 28, 1992/BHADRA 6, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1992

विषय: उत्कृष्ट निर्यात निष्पादन की सार्वजनिक मान्यता के लिए पुरस्कार।

सं. 8(1) 91-ई.ए.सी.--उपरोक्त विषय पर दिनांक 14 नवम्बर, 1986 के भारत के राजपत्र, प्रसाधरण के भाग I, खंड 1 में प्रकाशित भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय के संकल्प सं. 8/3/86-ई.ए.सी., दिनांक 13-11-86 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएं।

2. संकल्प के मौजूबा पैरा 6 और 10 को जगह निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए अर्थात्:--

“6. निम्नलिखित व्यक्तियों की एक जयन समिति पुरस्कारों तथा श्रेष्ठता प्रमाणपत्रों के लिए वाणिज्य मंत्री को सिफारिश करेगी:--

1. वाणिज्य मंत्रालय के सचिव
2. विदेश व्यापार महानिदेशक
3. विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग)

-- अध्यक्ष

4. अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (फिक्को) परिसंघ, नई दिल्ली।

5. अध्यक्ष, भारत निर्यात संगठन मंच (फिजो), नई दिल्ली।

6. अध्यक्ष, भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग सहयोग मंडल (एसोबैम), कलकत्ता।

7. वाणिज्य मंत्रालय के सचिव द्वारा मनोनात वाणिज्य मंत्रालय के निर्यात सहायता प्रभाग के प्रभारी अधिकारी।

8. महानिदेशक, वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी, कलकत्ता।”

“10. पैराग्राफ 1 में, उल्लिखित पुरस्कार के लिए पात्रता निम्नलिखित बातों पर आधारित होगी:--

- (1) ट्राकों देने के लिए पिछले वर्ष की तुलना में वर्ष के दौरान निर्यात में वृद्धि 50% से कम नहीं होनी चाहिए। प्रमाणपत्र देने के लिए इसे 45% तक घट्ट होना।
- (2) पिछले पांच वर्षों की अवधि के निर्यात में मिश्रित वृद्धि ट्राको और प्रमाणपत्र दोनों के लिए 40% से कम नहीं होनी चाहिए।
- (3) पात्रता के लिए निर्यात के पास पिछले सभी पांच वर्षों के कुछ निर्यात होने चाहिए।

(4) यदि (1) और (2) की प्रतिशत वृद्धि की स्थिति संतोषजनक नहीं है तो ट्राफी और प्रमाणपत्र दोनों के लिए निर्धारित में धूम्रपान सम्पूर्ण वृद्धि लघु उद्योगों के लिए 5 करोड़ रु. और गैर-लघु उद्योगों के लिए 10 करोड़ रु. से कम नहीं होनी चाहिए।

(5) वर्ष के दौरान ट्राफी देने के लिए न्यूनतम निर्धारित लघु उद्योगों के लिए 2 करोड़ रु. तथा गैर-लघु उद्योगों के लिए 5 करोड़ रु. होने चाहिए। प्रमाणपत्र देने के लिए इसमें लघु उद्योगों के लिए 1 करोड़ रु. तथा गैर-लघु उद्योगों के लिए 4 करोड़ रु. तक छूट दी जा सकती है।

(6) निम्नलिखित मामलों में महत्व तथा वरीयता दी जाएगी :—  
(क) गए बाजारों में जहाँ भारतीय माल को पहुँचाना (सुलभ करना) कठिन होता है, वहाँ नए उत्पाद का विकास करना और उसका निर्माण करना;

(ख) पिछले 3 वर्षों में देश में जनशक्ति जैसे बेशी संसाधनों के बड़े पैमाने पर निवेश पर आधारित सेवाओं के निर्माणों में वृद्धि;

(ग) विदेश में टर्न की परियोजनाएं या पूरी मशीनरी के लिए कयादेश पूरे करना जिनमें समय में कोई विशेष वृद्धि किए बिना समय पर सप्लाई और लगाया जाना शामिल हो;

(घ) पिछले 3 वर्षों में भारत से लघु उद्योगों और कुटीर उद्योगों के उत्पादों के निर्यात में सहायता देने में प्रदर्शित योग्य सफलता;

(ङ) गुणवत्ता के अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत मानकों का विकास करने अथवा प्राप्त करने में महत्वपूर्ण सफलता;

(च) भारतीय ब्रांडों को विदेश में स्थापना/संबंधन करने में महत्वपूर्ण सफलता;

(छ) निर्यातों में पर्याप्त वृद्धि के साथ अपना भुगतान क्षेत्र बाजार को सामान्य मुद्रा क्षेत्र में परिवर्तन करने के लिए विशेष प्रयास किए गए।”

#### प्रादेश

प्रादेश किया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए और इसको एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेज दी जाए।

जी. सुन्दरम, प्रवर सचिव

### MINISTRY OF COMMERCE

#### RESOLUTION

New Delhi, the 28th August, 1992

Subject : Awards for Public Recognition of Outstanding Export Performance

No. 8(1)/91-EAC.—The following amendments may be made in the Government of India, Ministry of Commerce Resolution No. 8/3/86-EAC dated 13-11-86 on the above subject, published in Part I,

Section 1 of the Gazette of India, Extraordinary, dated November, 14, 1986.

2. For the existing paras 6 and 10 of the Resolution, the following will be substituted namely :—

“6. A Selection Committee consisting of the undermentioned will make recommendations for the Awards and the Certificates of Merit to the Minister of Commerce :—

1. Secretary in the Ministry of Commerce—Chairman.
2. Director General Foreign Trade.
3. Development Commissioner (Small Scale Industries).
4. President, Federation of Indian Chamber of Commerce and Industry, New Delhi.
5. President, Federation of Indian Export Organisations, New Delhi.
6. President, Associated Chambers of Commerce and Industry of India, Calcutta.
7. Officer-in-Charge of Export Assistance Division of the Ministry of Commerce, nominated by the Secretary in the Ministry of Commerce.
8. Director-General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta.”

“10. The eligibility for the award referred to in paragraph 1 shall be based on the following considerations :—

- (i) Growth in exports during the year over the preceding year should not be less than 50 per cent for award of Trophy. For award of Certificate, it is relaxable to 45 per cent.
- (ii) Compound growth in exports over the period of three years should not be less than 40 per cent both for Trophy and Certificate.
- (iii) In order to qualify, exporter should have some exports to his credit during all the preceding three years.
- (iv) If the percentage growth condition of (i) & (ii) is not satisfied, the minimum absolute growth in exports should not be less than Rs. 5 crores for small scale industries and Rs. 10 crores for non small scale industries both for Trophy and Certificate.

(v) Minimum exports during the year should be Rs. 2 crores for small scale industries and Rs. 6 crores for non-small scale industries for Award of Trophy. For Award of certificate, it is relaxable to Rs. 1 crore for small scale industries and Rs. 4 crores for non-small scale industries.

(vi) Weightage and preference shall be given in the following cases :—

- (a) developing a new product and exporting to new markets known to be difficult for accessibility to Indian goods;
- (b) substantial increase in the last three years of exports of services based on large scale input of surplus resources in the country such as manpower;
- (c) Execution of turn-key projects abroad or large orders of machinery involving supply or erection on time and without significant cost escalation;

(d) demonstrable success in the last 3 years in assisting exports from India of products of small-scale industries and cottage industries;

(e) Significant success in developing or acquiring internationally accepted standards of quality;

(f) Significant success in establishment/promotion of Indian brands abroad.

(g) Special efforts made to divert from FPA market to GCA with substantial growth in exports."

#### ORDER

Ordered that this Resolution be published in the Gazette of India and a copy thereof communicated to all concerned.

G. SUNDARAM, Addl. Secy.

